# शिष्यों को प्रशिक्षित करने के लिए प्रशिक्षण
# सत्र 5: शिष्यत्व क्या है? (2डी)

रॉन लाइवली, एम.डिवी., एमए द्वारा ऑफ़र किया गया - BiblicalMentoring.org (अध्ययन)

**चरण 1**: प्रारंभिक प्रार्थना

**चरण 2**: प्रत्येक व्यक्ति स्मृति कविता को उद्धृत करता है: छंद चरण: **2 तीमुथियुस 2: 2**
***1 तब हे मेरे पुत्र, तू उस अनुग्रह से दृढ़ हो जो मसीह यीशु में है, 2 और जो कुछ तू ने बहुत से गवाहों के साम्हने मुझसे सुना है, वह विश्वासयोग्य पुरुषों को सौंप दे, जो दूसरों को भी सिखा सकेंगे।***

**चरण 3**: *बाइबल अध्याय के सभी या कुछ हिस्सों को पढ़ें और चर्चा करें* - **2 तीमुथियुस 2**

***चरण 4**:* व्यक्तिगत अनुप्रयोगों और/या समूह चर्चा के लिए प्रश्न:

*एक.*लेखक लिखते हैं कि गैर-जिम्मेदार सुसमाचार प्रचार आध्यात्मिक उपेक्षा का कारण बनता है। क्या आप देखते हैं कि यह कमजोर, सतही विश्वासियों का कारण कैसे बनता है?

*दो.* फिलिप्स का क्या मतलब है जब वह लिखता है कि "शिष्यत्व जिम्मेदार माता-पिता बनने से अविभाज्य है"?

*तीन.*शिष्य-निर्माता का कार्य कब समाप्त होता है?

*चार.*चेला बनाने की सफलता के लिए 2 तीमुथियुस 2:2 क्यों महत्वपूर्ण है?

*पाँच.* मसीह की आज्ञा/मनुष्य की प्रतिक्रिया आरेख लेखक के मुख्य संदेश का सबसे अच्छा उदाहरण क्यों है?

***चरण 5**: पुस्तक की सामग्री पढ़ें और चर्चा करें:*

**अध्याय 2 डी लेखक के अनुसार - कीथ फिलिप्स:**

***गुणवत्ता प्रजनन सुनिश्चित किया जाता है***

*अगर मैं केवल सुसमाचार प्रचार में शामिल होता और 11,000 से अधिक नए ईसाइयों के लिए जिम्मेदार होता, तो मुझे हर साल सितंबर से दिसंबर तक उनमें से प्रत्येक को क्रिसमस कार्ड संबोधित करने में समय लगेगा। मैं लोगों को मसीह की ओर ले जाने में इतना व्यस्त रहूंगा कि उनकी देखभाल करना और उन्हें बढ़ने में मदद करना असंभव होगा। मुझे केवल उनके नाम याद करने के लिए एक कंप्यूटर की आवश्यकता होगी। इस तरह के गैर-जिम्मेदार सुसमाचार प्रचार आध्यात्मिक बच्चों की उपेक्षा का कारण बनेगा, और इसके परिणामस्वरूप कमजोर, सतही विश्वासी होंगे।*

*मैं अपने इंजीलवादी कौशल के बारे में डींग मारता था - कैसे मैं एक हवाई जहाज पर एक आदमी से मिला, उसके साथ पचास मिनट तक बात की, उसे मसीह के पास ले गया, फिर भी उसका अंतिम नाम कभी नहीं पता था। किसी तरह, मेरा मानना था कि इस तरह के कारनामों ने मेरी आध्यात्मिक पौरुष को बढ़ाया - जब तक मुझे एहसास नहीं हुआ कि मैंने अपनी संक्षिप्त मुठभेड़ों के बाद इनमें से अधिकांश "पीड़ितों" को छोड़ दिया था। मैंने पितृत्व की जिम्मेदारी संभाले बिना गर्भाधान के उत्साह और जन्म की खुशी का अनुभव किया था।*

*मैं इस विफलता की गंभीरता को स्पष्ट करता हूं।*

*जून 1976 में, मेरी पत्नी, केटी और मुझे जुड़वां लड़कों, जोशुआ और पॉल के जन्म का आशीर्वाद मिला। मेरा विश्वास करो, उन्होंने चौबीसों घंटे ध्यान देने की मांग की। हमने उन्हें खिलाया, उन्हें हिलाया, उनके डायपर बदले और वह सब कुछ किया जो अच्छे माता-पिता करते हैं।*

*मान लीजिए कि जब लड़के तीन महीने के थे, तो केटी और मैंने फैसला किया कि हमें एक ब्रेक की जरूरत है (जो हमने किया)। इसलिए हमने यहोशू और पॉल को उनके साथ बात करने के लिए सोफे के खिलाफ खड़ा कर दिया।*

*मैंने उनसे कहा कि हम थक गए हैं और दो सप्ताह की छुट्टी पर जा रहे हैं - अकेले। हालांकि, मैंने जल्दी से उन्हें आश्वासन दिया कि उन्हें चिंता करने की कोई बात नहीं है। "आपने हमने जो कुछ भी किया है उसे देखा है, इसलिए आपको अब तक पता होना चाहिए कि अपना ख्याल कैसे रखना है। लेकिन अगर आप कुछ भूल जाते हैं, तो हमने आपके लिए पालन करने के लिए विस्तृत निर्देश टाइप किए हैं: अपना फॉर्मूला कैसे बनाएं, खुद को कैसे खिलाएं, अपने डायपर कैसे बदलें, लक्षण क्या हैं। हमने इन निर्देशों को रेफ्रिजरेटर में टेप कर दिया है और अपना यात्रा कार्यक्रम छोड़ दिया है ताकि यदि आपके कोई प्रश्न हों तो आप हमें फोन कर सकें। किसी बात की चिंता मत करो।*

*अगर केटी और मैंने वास्तव में अपने तीन महीने के लड़कों के साथ ऐसा किया होता, तो हमें बच्चों की उपेक्षा के लिए जेल में डाल दिया जाता। शिशु खुद को खिला नहीं सकते या उनकी देखभाल नहीं कर सकते; उन्हें दिन-रात तब तक देखा जाना चाहिए जब तक कि वे अपने दम पर जीवित रहने के लिए पर्याप्त बूढ़े न हो जाएं।*

*शिष्यत्व जिम्मेदार पितृत्व से अविभाज्य है। एक आध्यात्मिक माता-पिता, एक भौतिक माता-पिता की तरह, अपने बच्चों की देखभाल और पोषण के लिए परमेश्वर के प्रति जवाबदेह होता है। पौलुस जानता था कि वह कुरिन्थियों का आत्मिक पिता था: "... क्योंकि सुसमाचार के द्वारा मसीह यीशु में मैं तुम्हारा पिता बन गया" (1 कुरिन्थियों 4:15)। उसने गलातियों को "मेरी संतान" (गलातियों 4:19) और तीमुथियुस को "विश्वास में मेरा सच्चा बच्चा" कहा (1 तीमुथियुस 1:2)। उसने ओनेसिमुस की ओर से विनती की, "मेरा बच्चा, जिसे मैं ने उत्पन्न किया है" (फिलेमोन 10)।*

*शिष्य-निर्माता जानता है कि उसकी जिम्मेदारी तब तक जारी रहती है जब तक कि उसका शिष्य आध्यात्मिक रूप से परिपक्व, प्रजनन करने वाला विश्वासी नहीं बन जाता। वह अपने शिष्य में बहुत समय लगाता है और अपनी जरूरतों पर पूरा ध्यान देता है। शिष्यत्व गुणवत्तापूर्ण प्रजनन है जो यह सुनिश्चित करता है कि आध्यात्मिक गुणन की प्रक्रिया पीढ़ी-दर-पीढ़ी जारी रहेगी।*

*परमेश्वर की आत्मा ने आत्मिक संतानों की गुणवत्ता की निगरानी के लिए एक सुरक्षा स्थापित की। पौलुस इंगित करता है कि शिष्य-निर्माता का अपने शिष्य के साथ संबंध चार पीढ़ियों तक फैला हुआ है। "और जो बातें तुम ने बहुत से गवाहों के सामने मुझ से सुनी हैं, वे विश्वासयोग्य पुरुषों को सौंप दें, जो दूसरों को भी सिखा सकें" (2 तीमुथियुस 2:2)। यहाँ, पौलुस (पहली पीढ़ी) अपने आत्मिक पुत्र, तीमुथियुस (दूसरी पीढ़ी) को निर्देश देता है कि वह उन बातों को सिखाए जो पौलुस ने उसे विश्वासयोग्य पुरुषों (तीसरी पीढ़ी) को सिखाई थी, जो बदले में दूसरों (चौथी पीढ़ी) को सिखाएंगे।*

*चार पीढ़ियों के लिए पौलुस का संदर्भ कोई संयोग नहीं है। एक शिष्य-निर्माता केवल यह जानता है कि उसने अपने शिष्य के छात्र को दूसरों को सिखाते हुए देखा है कि उसने अपने छात्र को कितना प्रभावी ढंग से सिखाया है।*

*1972 में भगवान ने अल एवर्ट को विचिटा यहूदी बस्ती में हमारे काम को निर्देशित करने के लिए बुलाया। मैंने उसे शिष्य बनाया। मैंने कई महीनों तक अल के साथ घंटों बिताए, उसमें वह सब कुछ जो मैं भगवान का आदमी होने के बारे में जानता था। हमने एक साथ बाइबिल के सिद्धांतों की खोज की और उन्हें अपने जीवन में लागू किया। बहुत पहले अल ने डॉन को शिष्य बनाना शुरू कर दिया, जिसने तब से मौरिस को शिष्य बनाया है।*

*दूसरों को सिखाने के लिए दूसरों को प्रशिक्षित करने के शिष्यत्व के जनादेश के प्रकाश में, मैं (पहली पीढ़ी) केवल अल (दूसरी पीढ़ी) के साथ अपनी प्रभावशीलता का मूल्यांकन कर सकता हूं कि डॉन (तीसरी पीढ़ी) मौरिस (चौथी पीढ़ी) के साथ कैसे कर रहा है। यदि अल पूरी तरह से शिष्यत्व (आत्म-मृत्यु और प्रजनन) को समझ लेता है, तो डॉन मौरिस को दूसरों को सिखाने के लिए दूसरों को प्रशिक्षित करने के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित होगा। मौरिस पुडिंग का असली सबूत है।*

| | | **चार पीढ़ियां** | | |
|---|---|---|---|---|
| पीढ़ी | 1 | 2 | 3 | 4 |

| | पॉल | तीमुथियुस | वफादार पुरुष | अन्य |
|---|---|---|---|---|
| | कीथ | अल | डॉन | मौरिस |

*यह गुणवत्ता कारीगरी के बजाय बड़े पैमाने पर उत्पादन का चयन करने की एक मानवीय प्रवृत्ति है। आपने कितनी बार सुना है, "वे पहले जैसी चीजें नहीं बनाते हैं"? और कितनी बार जवाब, "यह सिर्फ लागत प्रभावी नहीं है"?*

*केवल एक मास्टर शिल्पकार ही सबसे ऊपर गुणवत्ता की मांग करता है। उत्पादित प्रत्येक वस्तु के साथ उसकी प्रतिष्ठा दांव पर है क्योंकि वह अपने काम पर अपना नाम रखता है। यीशु मास्टर शिष्य-निर्माता है। चूंकि प्रत्येक विश्वासी उसका नाम धारण करता है, इसलिए शिष्यत्व में सामान्यता के लिए कोई जगह नहीं है।*

*दो हजार साल पहले यीशु ने अनुयायियों की एक बड़ी भीड़ को अडिग स्पष्टवादिता के साथ संबोधित किया। उसने घोषणा की, "जो कोई अपना क्रूस न उठाकर मेरे पीछे न आए, वह मेरा चेला नहीं हो सकता" (लूका 14:27)। यीशु ने प्रत्येक श्रोता के विकल्पों को दो तक सीमित कर दिया। यदि मनुष्य की प्रतिक्रिया अविश्वास है, तो वह अवज्ञा करता है और मर जाता है। वह मसीह का शत्रु है (मत्ती 12:30 देखें)। यदि वह विश्वास में जवाब देता है, तो वह आज्ञा का पालन करता है और शिष्य बन जाता है, अपने आप को मरता है और प्रजनन करता है। मसीह अपने जीवन का प्रभु है। यीशु किसी अन्य विकल्प की बात नहीं करते हैं।*

| **मसीह का आदेश** | | **आदमी का प्रतिक्रिया** | | |
|---|---|---|---|---|
| | | | | आत्म-मृत्यु |
| | विश्वास → | आज्ञाकारिता → | शिष्यत्व | |
| मेरे पीछे आओ | या | | | प्रजनन |
| | अविश्वास → | अवज्ञा → | अवसान | |

*मसीह जानता था कि यह किसी भी व्यक्ति द्वारा किया जा सकता है सबसे महत्वपूर्ण निर्णय होगा, इसलिए उसने उन्हें कीमत गिनने की चेतावनी दी (लूका 14:28)। और जितना समझ से बाहर लगता है, बहुत से लोग पीछे हट गए "... और उसके साथ फिर नहीं चले" (यूहन्ना 6:66)।*

*मसीह का जीवन बदलने वाला आदेश, "मेरा अनुसरण करो," आज भी उतना ही व्यापक है जितना कि गलील के तट पर था। इसे हल्के में नहीं लिया जा सकता। आपकी शाश्वत नियति आपकी प्रतिक्रिया पर निर्भर करती है।*

*आप या तो अपने अधिकारों, संपत्ति और अपने जीवन को वैसे ही बनाए रखते हैं जैसे यह अभी है, या आप अनन्त जीवन और परमेश्वर के साथ शांति के बदले में मसीह के प्रभुत्व के लिए अपना सब कुछ छोड़ देते हैं। मसीह को इससे अधिक कुछ भी प्रसन्न नहीं होगा अगर, लेवी की तरह, आप "... सब कुछ छोड़ दिया, उछल पड़ा और उसके साथ चला गया" (लूका 5:28 पौंड)।*

*मसीह की पुकार अभी भी सदियों से गूंजती है: "आओ मेरे साथ मर जाओ!" हमारा उद्धार परमेश्वर के अनुग्रह के कारण और उस पर आधारित है। परमेश्वर का अनुग्रह स्रोत है। हमारा विश्वास साधन है। लेकिन हमारी आज्ञाकारिता अनिवार्य मानवीय प्रतिक्रिया और उद्धार का निर्विवाद प्रमाण दोनों है (इफिसियों 2:8-10)। यह हमारे विश्वास का प्रमाण है। इसलिए याकूब कहता है, "कामों के बिना विश्वास मर जाता है" (याकूब 2:17)।*

*(पीपी.24बी-29)*

| **शिष्य की चेकलिस्ट - शिष्यत्व क्या है?** |
|---|
| ___ मैं अपने आप के लिए मर गया हूं। |
| ___ मैं दूसरों में मसीह में जीवन की परिपूर्णता को पुन: उत्पन्न कर रहा हूं। |

***चरण 6**: व्यक्तिगत प्रार्थना अनुरोधों को साझा करके और प्रत्येक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति के अनुरोधों के लिए प्रार्थना करके समाप्त करें।*

**मूल**: एक शिष्य का निर्माण डॉ. कीथ फिलिप्स द्वारा। फ्लेमिंग एच. रेवेल कंपनी द्वारा, 1981 पब। आई°ऍस°बी°ऍन° 0-8007-1181-5. रॉबर्ट ई. कोलमैन द्वारा परिचय। सामग्री (अध्ययन प्रश्नों को छोड़कर) बिना किसी संशोधन के पुस्तक से ली गई है।

संशोधित 20261011